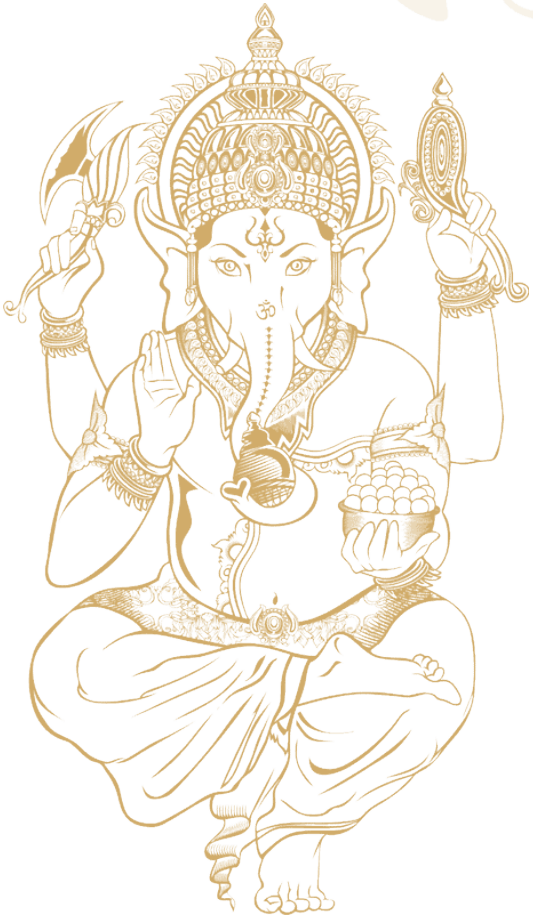

Kesav

03 Jun 2003

04:00 PM

Hyderabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121621602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/06/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**16:00:00 घंटे**
इष्ट	25:46:40 घटी
स्थान	**Hyderabad**
राज्य	Telangana
देश	India

अक्षांश	17:22:00 उत्तर
रेखांश	78:26:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:16:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:43:44 घंटे
वेलान्तर	00:01:58 घंटे
साम्पातिक काल	08:29:37 घंटे
सूर्योदय	05:41:20 घंटे
सूर्यास्त	18:47:27 घंटे
दिनमान	13:06:08 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:33:08 वृष
लग्न के अंश	11:32:44 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**पुनर्वसु - 2**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	वृद्धि
करण	वणिज
गण	देव
योनि	मार्जार
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	को-कोमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	11:32:44	334:21:03	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृष	18:33:08	00:57:29	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	25:08:00	12:29:07	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	मित्र राशि
मंगल			मक	29:47:56	00:29:38	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	उच्च राशि
बुध			मेष	24:22:05	00:57:41	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
गुरु			कर्क	19:14:48	00:09:12	आश्लेषा	1	9	चंद्र	बुध	केतु	उच्च राशि
शुक्र			मेष	27:56:13	01:12:58	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	सम राशि
शनि			मिथु	06:01:14	00:07:35	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:32:34	00:01:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:32:34	00:01:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	मित्र राशि
हर्ष			कुंभ	08:54:50	00:00:11	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:11:43	00:00:35	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:52:27	00:01:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			कर्क	11:08:58	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:02

लग्न-चलित

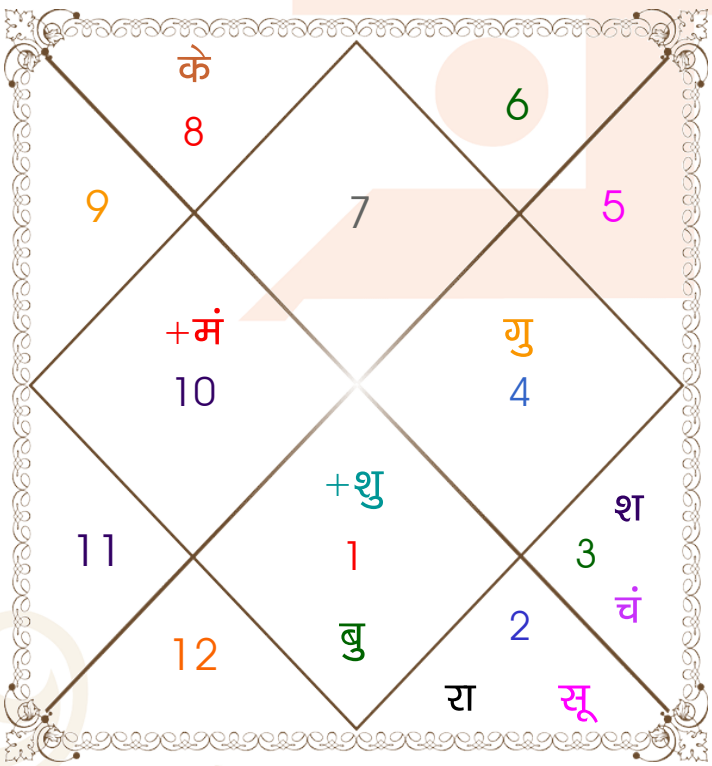

चन्द्र कुंडली

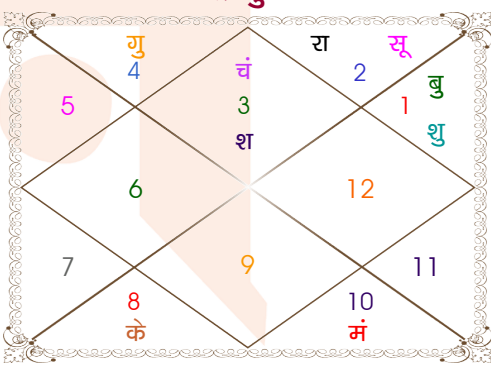

नवमांश कुंडली

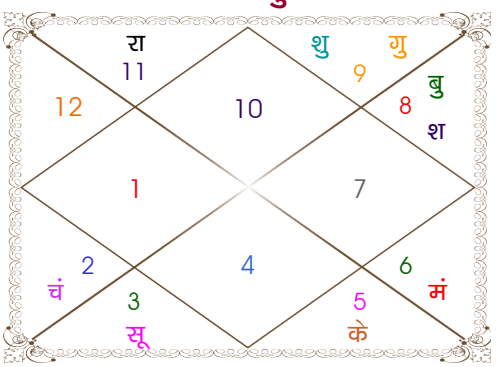

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 10 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/06/2003		05/04/2013		05/04/2032		05/04/2049		05/04/2056	
05/04/2013		05/04/2032		05/04/2049		05/04/2056		05/04/2076	
	00/00/0000	शनि	08/04/2016	बुध	02/09/2034	केतु	01/09/2049	शुक्र	05/08/2059
	03/06/2003	बुध	17/12/2018	केतु	30/08/2035	शुक्र	01/11/2050	सूर्य	05/08/2060
बुध	12/03/2004	केतु	26/01/2020	शुक्र	30/06/2038	सूर्य	09/03/2051	चंद्र	05/04/2062
केतु	15/02/2005	शुक्र	28/03/2023	सूर्य	06/05/2039	चंद्र	08/10/2051	मंगल	06/06/2063
शुक्र	17/10/2007	सूर्य	09/03/2024	चंद्र	05/10/2040	मंगल	05/03/2052	राहु	05/06/2066
सूर्य	05/08/2008	चंद्र	08/10/2025	मंगल	02/10/2041	राहु	24/03/2053	गुरु	03/02/2069
चंद्र	05/12/2009	मंगल	17/11/2026	राहु	20/04/2044	गुरु	28/02/2054	शनि	05/04/2072
मंगल	11/11/2010	राहु	23/09/2029	गुरु	27/07/2046	शनि	09/04/2055	बुध	04/02/2075
राहु	05/04/2013	गुरु	05/04/2032	शनि	05/04/2049	बुध	05/04/2056	केतु	05/04/2076

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
05/04/2076		05/04/2082		05/04/2092		06/04/2099		06/04/2117	
05/04/2082		05/04/2092		06/04/2099		06/04/2117		00/00/0000	
सूर्य	24/07/2076	चंद्र	04/02/2083	मंगल	01/09/2092	राहु	18/12/2101	गुरु	25/05/2119
चंद्र	22/01/2077	मंगल	05/09/2083	राहु	20/09/2093	गुरु	12/05/2104	शनि	06/12/2121
मंगल	30/05/2077	राहु	06/03/2085	गुरु	26/08/2094	शनि	19/03/2107	बुध	04/06/2123
राहु	24/04/2078	गुरु	06/07/2086	शनि	05/10/2095	बुध	06/10/2109		00/00/0000
गुरु	10/02/2079	शनि	04/02/2088	बुध	02/10/2096	केतु	24/10/2110		00/00/0000
शनि	23/01/2080	बुध	05/07/2089	केतु	28/02/2097	शुक्र	24/10/2113		00/00/0000
बुध	28/11/2080	केतु	04/02/2090	शुक्र	30/04/2098	सूर्य	18/09/2114		00/00/0000
केतु	05/04/2081	शुक्र	05/10/2091	सूर्य	05/09/2098	चंद्र	19/03/2116		00/00/0000
शुक्र	05/04/2082	सूर्य	05/04/2092	चंद्र	06/04/2099	मंगल	06/04/2117		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 9 वर्ष 9 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।